

Inhalt

| | |
|--|------------|
| Vorwort | 6 |
| I. Einleitung | 7 |
| Mysterien – Begriff, Attitüde, Kultus | 7 |
| Die Überlieferung | 12 |
| II. Demeter und Eleusis | 17 |
| III. Dionysos – Sabazios | 25 |
| Der Dionysoskult in Rom | 32 |
| IV. Isis und Osiris | 41 |
| Die ägyptischen Gottheiten in der römischen Welt | 46 |
| V. Kybele und Dea Syria | 56 |
| Kybele in Rom | 58 |
| Dea Syria | 67 |
| VI. Mithras | 69 |
| VII. Vielfalt und Gemeinsamkeit | 82 |
| 1. Arkandisziplin und geheimer Charakter | 85 |
| 2. Gottheiten und Mythen | 86 |
| 3. Initiation und Gottesdienst | 89 |
| 4. Differenzierte Glaubensgemeinschaft | 93 |
| 5. Kultzentren | 95 |
| 6. Jenseitserwartungen und Lebenshaltung | 96 |
| 7. Entwicklungstendenzen | 101 |
| VIII. Mysterienkulte und frühes Christentum | 110 |
| IX. Abkürzungsverzeichnis | 121 |
| X. Literaturhinweise | 122 |
| XI. Bildnachweise | 126 |
| XII. Personen- und Sachregister | 127 |